

घाटनी घाटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...



www.ghatatighatana.com

अम्बिकापुर,तर्ष 22, अंक - 331- शनिवार 03- अक्टूबर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीवन. कं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन टीशर्ट पर गांधी की फोटो,कॉकरोच पार्टी बोली...मुंबई सिर्फ ट्रेलर,फाइनल दिल्ली में होगा

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2026। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया। इस दौरान स्टेज पर मौजूद सभी लोग गांधी जी की फोटो वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 19 जून से 25 जुलाई तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धर्मद प्रधान (पूर्व शिक्षा मंत्री) के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। 36 दिन के विरोध के बाद प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां कहा जाता है कि ये गांधी के देश से आए हैं। गांधी देश की आत्मा हैं, आंबेडकर रीढ़ की हड्डी और नेहरू दिमाग हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस ने हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण होने दिया। मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे।

सौरव की दिल्ली पुलिस को चेतावनी-
सुधर जाओ : मुंबई में विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी नेता सौरव दास ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने फिर से बर्बरता की है, सुधर जाओ वरना हम तुम्हें सुधर देंगे।

महाराष्ट्र के अमरावती में ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर,7 मौतें



अमरावती,02 अक्टूबर 2026। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए वर्धा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, पिकअप की कम रफ्तार और पीछे लगी ट्रॉली के कारण ट्रक ड्राइवर का अंदाजा चूक गया,जिससे यह हादसा हुआ।

केन्द्र सरकार ने लद्दाख के 28 स्थानों को मानचित्र में औपचारिक रूप से विहित किया

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2026। केन्द्र सरकार ने लद्दाख के 28 स्थानों को मानक और भौगोलिक संरचना के नाम के साथ भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर विहित किया है। इनमें रणनीतिक स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं की औपचारिक रूप से पहचान की गई है। इनमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ प्रमुख सीमा विवाद बिंदु जैसे गोगरा और हॉट स्प्रिंग शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा, 'भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा लद्दाख के मानचित्र पर इन्हें औपचारिक रूप से चिह्नित करने का उद्देश्य, इनकी सटीक पहचान को सुगम बनाना और जन-सामान्य के बीच बेहतर जागरूकता पैदा करना है। 'मंत्रालय का कहना है कि अतिशय गिरी (पीक),ब्रांगसा लैंड (एरिया),चर्चिंगल पास (पास),कनिक पीक (पीक),करुण पीर (माउंटन), कुक्सेल लैंड (एरिया), मार्टेड गिरी (पीक),8 परपिक (ग्लेशियर),स्कमरी ग्लेशियर (ग्लेशियर),शचमिक पास (पास),शकोरगा वैली (वैली), जोरावर पीक (पीक) देहरा कपास लैंड (एरिया),द्रक कापी (माउंटन),गोरा लैंड (एरिया),जोलमोरी (माउंटन),कुमारयाना पाईंट लैंड (एरिया),पंगलुंग लैंड (एरिया),रिनचेन जंगपो (पीक), सावनाश्री गिरी (पीक),गुरु रिनपोछे (पीक),शामल लुंगपा लैंड (एरिया),यांगपा नदी (नदी),हॉट स्प्रिंग वॉटर (बॉडी), मारपा लोत्सावा री (पीक),मिलारेपा कांगरी (पीक),शिवा री (पीक), महेश्वर री (पीक)।



कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा...दिल्ली पुलिस मूल गई कि वो जनता की पुलिस

प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि मुंबई पुलिस ने हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण होने दिया। लेकिन दिल्ली पुलिस मूल गई है कि वो जनता की पुलिस है, भाजपा की पुलिस नहीं। तो उन्हें हम कहना चाहेंगे कि मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी बोली...13 करोड़ लोगों का नाम वॉटर लिस्ट से कटा

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा...पीएम की दुकान जो पिछले इतने सालों से चल रही है, वह दुकान चलाने वाला मास्टरमांड है ज्ञानेश कुमार। पिछले कुछ दिनों में इन्होंने 13 करोड़ लोगों को वॉटर लिस्ट से हटा दिया है। जब हम कुछ नहीं थे तब इस देश में हर आत्मी को वॉटिंग का अधिकार मिला था। अमेरिका जैसे देश को भी 200 साल लगे थे हर नागरिक को वॉटिंग का अधिकार देने में।

शबाना आजमी बोलीं- हमारा वोट हमारी आवाज है : कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा, 'आप सभी का हार्दिक स्वागत है। चूंकि मैं मुंबई से हूं, इसलिए आप सभी को इतनी बड़ी संख्या में यहां देखकर मुझे अपार खुशी हो रही है। हमारा वोट हमारा अधिकार है, हमारी आवाज है। जब मतदाता सूची से हमारे नाम हटा दिए जाएं, तो हम क्या करेंगे?'

प्रदर्शनकारी बोला- ज्ञानेश कुमार को पद पर रहने का अधिकार नहीं : एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि देश भर में हर कोई इसके बारे में जानता है। ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे

देना चाहिए। वह इतना बड़ा गद्दार, इतना अश्वम और इतना बेईमान है कि उसे इस पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

विशाल भारद्वाज

बोले...मैं समर्थन देने आया हूं

सीजेपी विरोध प्रदर्शन में,अभिनेता विशाल भारद्वाज ने कहा,'मुझे नहीं पता कि किसी के साथ कुछ हुआ है या नहीं। मैं यहां केवल अपना समर्थन देने आया हूं। क्या बॉलीवुड को भी इस मुद्दे का समर्थन करना चाहिए, यह एक व्यक्तिगत मामला है। मैं बॉलीवुड का हिस्सा हूं।



नौजवान वोट चोरी के खिलाफ सड़कों पर हैं : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हजारों नौजवान वोट चोरी के खिलाफ अपने संवैधानिक अधिकार के साथ शांतिपूर्वक सड़कों पर हैं। उनकी मांग साफ है कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और लोकतंत्र बचे।

बीजेपी 'एक देश,एक पार्टी' चाहती है : दीपक

मुंबई में चल रहे प्रदर्शन के बीच अभिजीत ने आरोप लगाया कि 'एक देश, एक चुनाव' सिर्फ एक नारा है। दरअसल,बीजेपी 'एक देश, एक पार्टी' चाहती है। मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके ने कहा कि गांधी कभी खत्म नहीं होंगे, कोई महामानव आएगा कहेगा कि हम नॉन-बायोलॉजिकल हैं। वो लोग आएंगे और कहेंगे कि हम विश्वगुरु हैं। पर जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां कहा जाता है कि ये गांधी के देश से आए हैं। गांधी देश की आत्मा है, अंबेडकर रीढ़ की हड्डी और नेहरू दिमाग हैं।

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना अंतरिक्ष से ही तस्वीरों को समझकर तुरंत जानकारी भेजेगा, बॉर्डर निगरानी से आपदा तक में मददगार

हैदराबाद,02 अक्टूबर 2026। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा।

इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीट्रोस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्ट-18 मिशन से रात 11:48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अंतरिक्ष में ही डेटा की छटाई करेगा



सैटेलाइट : अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है।

नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी टेकमीट्रोस्पेस के सीईओ रौनक कुमार सामंत राय के मुताबिक

मोदी से कैप्टन स्मिथ बोले...घायल था पर हिम्मत नहीं हारी विमान गिर रहा था,आखिरी मौका था,हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मिथ मच्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। स्मिथ ने दो दिन पहले दुबई से तेल अरबीय जा रहे प्लेन की हाइजैकिंग नाकाम की थी। ओमानी को-पायलट ने उन्हें चाकू मारा। स्मिथ ने फिर भी प्लेन क्रैश नहीं होने दिया। मोदी ने स्मिथ से कहा, पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा था और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची। बातचीत के दौरान स्मिथ ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे काफी चोट आई। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। स्मिथ ने कहा, 'मुझे पता था कि



यह आखिरी मौका है। दरवाजा वहीं था और मैंने उसे खोल दिया। मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया। '

पीएम से बात करते हुए स्मिथ भावुक हुए : पीएम से बात करते हुए स्मिथ भावुक हो गए।

ईडी ने 927 करोड़ रुपये के घर खरीदार धोखाधड़ी मामले में ओजोन अर्बाना के प्रवर्तक को किया गिरफ्तार....

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2026। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ओजोन अर्बाना इन्फ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े धनशोधन मामले में कंपनी के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और प्रवर्तक एस. वासुदेवन को गिरफ्तार कर लिया।

एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने घर खरीदारों से सैकड़ों करोड़ रुपये लेने के बावजूद उन्हें फ्लैटों का कब्जा नहीं दिया और धन का दुरुपयोग किया। ईडी ने शुक्रवार को बताया कि एजेंसी कि बंगलुरु क्षेत्रीय इकाई ने बताया कि एस वासुदेवन को 30 सितंबर को

धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्हें 01 अक्टूबर को विशेष पीएमएलए अदालत, बंगलुरु में पेश किया गया, जहां अदालत ने आगे की जांच के लिए 14 दिन की ईडी हिरासत मंजूर की है।

ईडी की जांच बेंगलुरु शहर के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। इन मामलों में कंपनी और उसके प्रवर्तकों पर भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी और अपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

जंतर-मंतर पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पिपक्षी दलों का प्रदर्शन,1100 लोग हिरासत में

दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया रोकने को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन में वामपंथी दलों,कांग्रेस,आम आदमी पार्टी (आआप) सहित कई संगठन के लोग यहां धरने पर बैठे हैं। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। इनमें आम आदमी पार्टी (आआप) के कई नेता शामिल हैं। छात्र संगठनों ने आज (दो अक्टूबर) गांधी जयंती के दिन दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया था। यह मांग चुनाव आयोग के कामकाज और मतदाता सूचियों से जुड़े मामलों को संभालने के तरीके को लेकर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्र संगठनों ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई),एनएसयूआई और डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया है। इसलिए इस इलाके में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण बिना अनुमति फीड जूटने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। प्रदर्शन के आह्वान के चलते जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। आज सुबह से ही दिल्ली भर में करीब 11 मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है। ये वे मेट्रो स्टेशन हैं जहां से जंतर मंतर तक जाना आसान होता है। वहीं कई जगहों पर पुलिस ने बैरिकेट भी लगा रखे हैं ताकि किसी अप्रिय घटना होने से रोका जा सके। इस प्रदर्शन के महेनजर इलाके में इंटरनेट भी बंद रखा गया है।



बाढ़ से खेती तक में इस्तेमाल

इस तकनीक का इस्तेमाल बाढ़, जंगलों, फसलों, खनन क्षेत्रों और सीमा या जमीन की निगरानी में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, बाढ़ की स्थिति में सैटेलाइट तस्वीरों से यह पता लगा सकता है कि पानी कितने इलाके में फैला है और फिर जरूरी जानकारी ही धरती पर भेज सकता है।

2028 में अंतरिक्ष में डेटा सेंटर की तैयारी

कंपनी ने 2028 में अंतरिक्ष में बड़ा डेटा सेंटर बनाने की योजना भी बनाई है। इसके लिए 100-100 किलो वजन वाले ज्यादा क्षमता के सैटेलाइट भेजने की तैयारी है। इनमें बड़ी संख्या में ग्राफिक्स प्रोसेसर और करीब 100 टैराबाइट स्टोरेज रखने की योजना है। कई सैटेलाइट को जोड़कर अंतरिक्ष में ही डेटा का विश्लेषण करने की सुविधा विकसित करने का लक्ष्य है।

अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है तो एआई जरूरी डेटा

की पहचान करके वही जानकारी धरती पर भेज सकता है। इससे डेटा ट्रांसफर का समय और खर्च कम होगा।

महाकाल मंदिर प्रबंधन का बड़ा फैसला दर्शन के लिए आने वाले हर श्रद्धालु को मिलेगा निशुल्क प्रसाद

भोपाल,02 अक्टूबर 2026। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने एक बड़ा फैसला लिया है। मंदिर के इतिहास में पहली बार समिति की ओर से प्रतिदिन आम श्रद्धालुओं को नि:शुल्क प्रसाद वितरित किया जाएगा। यह नई व्यवस्था शुक्रवार चालू हो गई। मंदिर प्रबंध समिति की उप प्रशासक सिम्मी यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा लगातार दर्शनार्थियों की सुगमता और सेवा के लिए नए नवाचार किए जा रहे हैं। इसी सौचन के तहत अब मंदिर आने वाले प्रत्येक भक्त को खाली हाथ न लौटना पड़े, इसके लिए प्रतिदिन निशुल्क प्रसाद वितरण का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि दर्शन करने के बाद बाहर निकलने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के दो प्रमुख एंजिंट गेटों (निकास द्वारों) पर विशेष काउंटर बनाए गए हैं, जहां से प्रसाद आसानी से मिलेगा। श्रद्धालुओं को पैकेट में चने, चिरंजी और रेवड़ी का सूखा प्रसाद दिया जाएगा, ताकि देश-विदेश से आने वाले भक्त इसे बिना किसी असुविधा के अपने साथ घर भी ले जा सकें। भगवान को भोग अर्पण के बाद शुरूआत : प्रसाद वितरण की प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह की प्रथम पूजा-अर्चना के बाद शुरू होगी। बाबा महाकाल को विधिवत नैवेद्य और भोग अर्पित करने के उपरांत ही इसे प्रसादी के रूप में भक्तों में बांटा जाएगा। मंदिर समिति के इस अभूतपूर्व नवाचार से दूर-दराज और देश के कोने-कोने से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। अब बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों के साथ ही हर भक्त को प्रसाद का पावन आशीर्ष भी सहजता और सम्मान के साथ प्राप्त हो सकेगा।



सूरत से उदयपुर के बीच पहली वंदे भारत ट्रेन शुरू, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सूरत,02 अक्टूबर 2026। गांधी जयंती के अवसर पर दक्षिण गुजरात के यात्रियों को बड़ी रेल सुविधा मिली है। सूरत से उदयपुर के बीच शुक्रवार को पहली वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हुई है। सूरत को उदयपुर से जोड़ने वाली इस सेमी-हाईस्पीड ट्रेन को आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नियमित समय-सारणी के अनुसार ट्रेन सेवा 4 अक्टूबर से शुरू होगी। इससे सूरत और उदयपुर के बीच यात्रा का समय घटकर करीब 7 घंटे 30 मिनट रह जाएगा। ट्रेन संख्या 26903 सूरत से सुबह 6:10 बजे रवाना होकर दोपहर 1:40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर से दोपहर 3:35 बजे रवाना होगी और रात 11 बजे सूरत



पहुंचेगी। मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन इस ट्रेन की नियमित सेवा उपलब्ध रहेगी। यात्रियों के लिए ट्रेन में दो श्रेणियां रखी गई हैं। चेंबर कार (सीसी) का किराया 1,515 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेंबर कार (ईसी) का

किराया 2,720 रुपये निर्धारित किया गया है। ट्रेन संख्या 26903 की नियमित टिकट बुकिंग 1 अक्टूबर से आईआरसीटीसी की वेबसाइट,मोबाइल ऐप और रेलवे स्टेशनों के पीआरएस काउंटर पर शुरू की गई।

गुजरात और राजस्थान के प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव

यात्रा के दौरान ट्रेन गुजरात और राजस्थान के नौ प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें भरुक, वडोदरा,आणंद,महिसागर, असरावा,हिममतनगर,शामलाजी रोड,इंद्रपुर और जावर स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर ठहराव से दोनों राज्यों के यात्रियों, व्यापारियों और धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है। ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था,स्वचालित दरवाजे,जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और बेहतर सेंटिंग व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नई सेवा से सूरत और राजस्थान के बीच व्यापारिक गतिविधियों के साथ पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सीआर पाटिल ने पुराने रेल सफर को किया याद...

कार्यक्रम में सीआर पाटिल ने अपने पुराने रेल सफर को याद करते हुए कहा कि एक समय रेल यात्रा कठिन और असुविधाजनक मानी जाती थी। ट्रेनों में थोड़ा और पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के कारण यात्रियों को परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे में स्वच्छता और यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है और आज वंदे भारत जैसी ट्रेनों के कारण यात्रियों को आधुनिक यात्रा का अनुभव मिल रहा है। पाटिल ने कहा कि सूरत के लोगों की लंबे समय से उदयपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन की मांग थी। उन्होंने बताया कि मांग को समझते हुए प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष यह विषय रखा गया, जिसके बाद इसे मंजूरी मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी ठेंबल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने वलसाड से सूरत के बीच शुरू हुई मेमू ट्रेन और अन्य स्टॉपों को लेकर भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा रेलवे अधिकारियों के सहयोग का उल्लेख किया।

ट्रेन खाली न जाए,यह जिम्मेदारी नागरिकों की...

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री पाटिल ने नागरिकों से अपील की कि केंद्र सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर आधुनिक ट्रेनों और सुविधाओं का विस्तार कर रही है। ऐसे में इन सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करना और ट्रेनें खाली न जाएं,यह नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने यात्रियों से नई ट्रेन सेवा का अधिकतम लाभ लेने की अपेक्षा व्यक्त की। कूल मिलाकर सूरत-उदयपुर वंदे भारत सेवा शुरू होने से दक्षिण गुजरात और राजस्थान के बीच तेज रेल कनेक्टिविटी का नया विकल्प उपलब्ध हुआ है। व्यापार,पर्यटन और धार्मिक यात्राओं के लिए यह सेवा यात्रियों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

CMYK

गांधी के विचारों ने आजादी के आंदोलन को एक सूत्र में पिरोया : अमरजीत भगत

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन,सेवादल ने निकाली प्रभातफेरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।
 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को राजीव भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। इसके बाद आयोजित विचारगोष्ठी में गांधीजी के सत्य-अहिंसा के विचारों तथा शास्त्रीजी के सादगी, त्याग और राष्ट्रसेवा के आदर्शों पर चर्चा हुई।
 विचारगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि जिस दौर में ताकतवर अंग्रेजी हुकूमत के सामने



अपनी आवाज उठाने से लोग और विचारधारार्ण उठती थीं,उस समय महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को आंदोलन की ताकत बनाया। उन्होंने

स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी अलग-अलग विचारधाराओं और वर्गों को एक सूत्र में पिरोकर देश की आजादी की लड़ाई को व्यापक

जनआंदोलन का स्वरूप दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को याद करते हुए कहा कि 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद शास्त्रीजी ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। 'जय जवान, जय किसान' का उनका संदेश देश की सुरक्षा और कृषि व्यवस्था दोनों के महत्व को सामने लाता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रीजी के प्रयासों ने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश कुमार ने किया तथा आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल ने व्यक्त किया।
 इस अवसर पर पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा,संजय विश्वकर्मा,इरफान सिद्दीकी,अटल यादव,मधु दीक्षित,दुर्गेश गुप्ता,लक्ष्मी गुप्ता,बॉ.

लालचंद यादव,जगन्नाथ कुशवाहा,जमील खान,आलोक सिंह,प्रमोद चौधरी,अविनाश कुमार,मालती सिंह,रजनीश सिंह,सोहन जायसवाल,नीतीश चौरसिया,अमित सिन्हा, आशीष जायसवाल,लखन मरावी,एपी सांडिल्य,अमित वर्मा,अंकित जायसवाल, केदार सिन्हा,चंचला सांडिल्य,शकीला सिद्दीकी सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।
सेवादल ने निकाली प्रभातफेरी, गांधी प्रतिमा स्थल की सफाई की : गांधी जयंती के अवसर पर कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में राजीव भवन से गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक प्रभातफेरी निकाली गई। प्रभातफेरी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधीजी के विचारों और उनके सत्य-अहिंसा के संदेश को याद किया। गांधी चौक पहुंचने के

बाद सेवादल कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा स्थल की सफाई की और इसके बाद महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।
 इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल,सेवादल के संभागीय प्रभारी महासचिव विनीत विशाल जायसवाल, सेवादल जिलाध्यक्ष लोकेश कुमार,महिला जिलाध्यक्ष प्रीति सिंह,विनोद एक्का,लूकस एक्का,विकास शर्मा,मुनवर अली,प्रणय बोस, नवनीत तिवारी,राजीव यादव,नितिन तिकी, अनिमा प्रकाश,साधना जायसवाल,देविका सिंह, निशा सिन्हा,छन्नी राम राजवाड़े,जगत नारायण मानिकपुर, कांहा सिन्हा, राजू गुप्ता, राहुल प्रताप टोपों,ऋषभ टोपों,अमित टोपों, सुजीत जौन,मनोज ठकुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान,मानव उत्थान सेवा समिति ने दिया स्वच्छता का संदेश

नगर निगम कार्यालय से गौरव पथ और बस स्टैंड तक चला सफाई अभियान,स्वयंसेवकों ने निगम कर्मचारियों के साथ मिलकर की सफाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।
 गांधी जयंती के अवसर पर मानव धर्म के प्रणेता एवं समाजसेवी सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा शुक्रवार को अंबिकापुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर निगम कार्यालय से गौरव पथ और बस स्टैंड क्षेत्र तक चले अभियान में समिति के सदस्यों एवं मानव सेवा दल के स्वयंसेवकों ने निगम कर्मचारियों के साथ मिलकर साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।
 समिति के अनुसार, सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज के दिशा-निर्देश में 1 से 10 अक्टूबर तक देशभर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 2 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर भी



विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल सड़कों, सार्वजनिक स्थानों और आसपास के वातावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के विचारों और व्यवहार की शुद्धता भी

उतनी ही जरूरी है। मानव उत्थान सेवा समिति के साधु-संतों द्वारा वर्षभर सामाजिक सद्भाव, शांति, समानता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मानवीय दुरुर्गों का त्याग कर सकारात्मक विचारों को अपनाने

के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा वर्ष में दो विशेष अवसरों- 1 जनवरी और 2 अक्टूबर-पर बाहरी स्वच्छता के लिए अभियान चलाया जाता है। अभियान का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि जब व्यक्ति के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वच्छता होगी,तभी स्वच्छ और स्वस्थ समाज की कल्पना साकार होगी। समिति के सदस्यों ने कहा कि व्यक्ति के विचारों में शुद्धता और सकारात्मकता आने पर ही समाज में शांति,सद्भाव और भाईचारा मजबूत होगा तथा देश विकास और प्रगति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। स्वच्छता अभियान के दौरान नगर निगम कर्मचारियों तथा समिति से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

गांधी जयंती पर हॉली क्रॉस कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने निकाली जागरूकता रैली

स्वच्छता शपथ के साथ नुक्कड़ नाटक और सफाई अभियान,दिया स्वच्छ पर्यावरण का संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
 गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत हॉली क्रॉस वीमेंस कॉलेज अंबिकापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्वच्छता शपथ,जागरूकता रैली,नुक्कड़ नाटक और महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की प्राचार्य डॉ. (सिस्टर) शांता जोसेफ द्वारा स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाने से हुई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। उन्होंने स्वयंसेविकाओं से अपने



आसपास के परिसर,समाज और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इसके बाद एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। रैली में स्वच्छता,कचरा पृथक्करण,स्वच्छ पर्यावरण और जनभागीदारी से जुड़े संदेशों के साथ विभिन्न नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया

गया। अभियान के दौरान स्वयंसेविकाओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने का संदेश दिया। नाटक के जरिए बताया गया कि स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। रैली के बाद स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति व्यावहारिक जागरूकता बढ़ाने,पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने और समाज में सामूहिक जिम्मेदारी एवं जनभागीदारी की भावना मजबूत करना रहा। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी सुश्री कविता एक्का ने किया।

हाथियों के उत्पात से सहमे ग्रामीण,26 हाथियों की निगरानी में जुटा वन अमला

उदयपुर के कर्मकटरा जंगल में डाटा हाथियों का दल,फसल रोटी और घर तोड़,खड़े गए 12 हाथी फिट लौटे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।
 उदयपुर क्षेत्र में हाथियों का दल रातभर उत्पात मचाता रहा। बुधवार रात अलकापुरी के जंगल में शावक की मौत के बाद हाथियों का दल कर्मकटरा और रानुमाडा जंगल की ओर बढ़ गया। इस दौरान हाथियों ने कई स्थानों पर धान की फसल रौंद दी और एक ग्रामीण का घर भी तोड़ दिया। वन विभाग की टीम ने रातभर निगरानी करते हुए हाथियों को आबादी क्षेत्र से दूर खदेड़ने का प्रयास किया। जानकारों के अनुसार बुधवार रात करीब 10 बजे हाथियों का दल कर्मकटरा और



रानुमाडा जंगल में दो हिस्सों में बंट गया। वन अमले ने कर्मकटरा जंगल में मौजूद करीब 12 हाथियों को खदेड़ने की कोशिश की। इसी दौरान मोहनपुर उपका में हाथियों ने धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद हाथियों का

दल मानपुर के कूरम तालाब के पास कई घंटे रुका रहा। आगे जुकमा के पास हाथियों ने पहलवान नामक ग्रामीण के घर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वन विभाग की टीम ने रात में करीब 12 हाथियों को कर्मकटरा जंगल से दूर खदेड़ने में सफलता हासिल की। हालांकि सुबह करीब 3 बजे हाथी एक-एक कर फिर कर्मकटरा जंगल की ओर लौटने लगे। फूजगी के पास भी एक हाथी को जंगल की ओर जाते देखा गया। फिलहाल उदयपुर क्षेत्र के कर्मकटरा जंगल में करीब 26 हाथियों का दल मौजूद है। वन विभाग की टीमों आसपास लगातार निगरानी कर रही हैं।

जेल में परिवार संग नई शुरुआत,अंबिकापुर में प्रदेश की पहली फैमिली ओपन जेल

छत्तीसगढ़ की पहली फैमिली ओपन जेल का अंबिकापुर में शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।
 अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ की पहली परिवार खुली जेल (फैमिली ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन-आसीआई) का शुभारंभ किया गया। डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने इसका उद्घाटन किया। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन के सेवा संकल्प अभियान के तहत शुरु की गई है। जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत सहित जेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे। परिवार खुली जेल की व्यवस्था का उद्देश्य बंदियों को परिवार के साथ रहते हुए रोजगार और सामाजिक जीवन से जोड़ना है।
 अंबिकापुर केन्द्रीय जेल में उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए शुक्र की गई इस सुविधा में फिलहाल दो बंदी अपने परिवार के साथ रह सकेगे। बंदी सुबह रोजगार अथवा अन्य कार्यों के लिए जेल परिसर से बाहर जा सकेगे और शाम को लॉकअप से पहले वापस जेल लौटेंगे। उनके परिवार के लिए



आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जेल विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जाएंगी।
भविष्य में और होगा विस्तार : पहले महीने का राशन जेल विभाग उपलब्ध कराएगा। इसके बाद बंदियों को रोजगार के माध्यम से अपने परिवार के लिए राशन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इसके लिए जेल विभाग की ओर से रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की बात कही गई है। बंदियों को रोजगार के अन्य वैकल्पिक साधन भी उपलब्ध रहेंगे। भविष्य में इस सुविधा का विस्तार कर इसका आकार और स्वरूप बढ़ाया जाएगा।

खुले मंच पर होगा संभाग स्तरीय मानस गायन,महिला मंडलियों की अलग प्रतियोगिता

विजयादशमी महोत्सव में शैला और सुगा लोकनृत्य की भी अलग-अलग स्पर्धा,दोनों विधाओं में प्रथम,द्वितीय और तृतीय पुरस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

विजयादशमी महोत्सव 2026 को इस बार और व्यापक स्वरूप देने की तैयारी है। सरगुजा सेवा समिति एवं नागरिक समिति की संयुक्त बैठक में आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे बड़ा बदलाव संभाग स्तरीय रामचरितमानस गायन प्रतियोगिता के आयोजन स्थल को लेकर किया गया है। अब यह प्रतियोगिता सरस्वती शिशु मंदिर सभागार के बजाय कलाकेंद्र मैदान के खुले मंच पर होगी। इसके साथ ही पहली बार महिला मानस मंडलियों के लिए पृथक संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बैठक सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी एवं नागरिक समिति अध्यक्ष अजय अग्रवाल की संयुक्त अध्यक्षता में हुई। इसमें आयोजन की अब तक की तैयारियों की समीक्षा के साथ आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। आयोजकों के अनुसार, पिछले वर्षों में सभागार की सीमित क्षमता को देखते हुए मानस गायन प्रतियोगिता को खुले मैदान में कराने का निर्णय लिया गया है। इससे संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली मानस मंडलियों के साथ कार्यक्रम में शामिल हो सकेगे।



महिला मानस मंडलियों को पहली बार अलग मंच : इस बार महिला मानस मंडलियों की स्वतंत्र संभाग स्तरीय प्रतियोगिता भी होगी। पुरुष और महिला वर्ग में अलग-अलग श्रेष्ठ मंडलियों का चयन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। महिला मंडली के प्रथम पुरस्कार के लिए 11 हजार रुपए की राशि महापौर श्रीमती मंजूषा भगत की ओर से तथा पुरुष मंडली के प्रथम पुरस्कार की राशि नरेंद्र सिंह टुटेजा के सौजन्य से दिए जाने की जानकारी बैठक में दी गई।

शैला और सुगा नृत्य की अलग-अलग प्रतियोगिता : सरगुजा की लोक संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से लोक नृत्य प्रतियोगिता में भी बदलाव किया गया है। अब शैला (सैलानी) और सुगा लोकनृत्य की अलग-अलग संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं

होंगी। दोनों विधाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दलों को अलग-अलग पुरस्कृत किया जाएगा। सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि विजयादशमी महोत्सव सरगुजा की सांस्कृतिक पहचान और जनआस्था से जुड़ा आयोजन है। इस बार लक्ष्य अधिक से अधिक परिवारों और संभाग के लोगों को आयोजन से जोड़ना है। नागरिक समिति अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि दोनों समितियों के बीच समन्वय और आपसी तालमेल के आधार पर तैयारियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को आँतम रूप दिया जा रहा है। सरगुजा सेवा समिति के उपाध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि खुले मंच पर मानस गायन और पारंपरिक लोकनृत्य प्रतियोगिताओं से

संभाग के कलाकारों और मंडलियों को व्यापक मंच मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आयोजन की व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने की बात कही। बैठक में भारत सिंह सिसोदिया एवं नेता प्रतिपक्ष शशी अहमद ने आयोजन की व्यवस्थाओं एवं संचालन को लेकर सुझाव दिए। समिति के महासचिव मधुसूदन शुक्ला ने 13 से 20 अक्टूबर तक प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा, संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं,प्रशासनिक अनुमति, पीजी कॉलेज एवं कलाकेंद्र मैदान की व्यवस्थाओं, पुतला निर्माण और जनसहयोग से जुड़वाई जा रही राशि सहित तैयारियों की जानकारी दी। बैठक का संचालन नरेंद्र सिंह टुटेजा ने किया, जबकि आभार राजकुमार बंसल ने व्यक्त किया।

बैठक में सर्वेद तिवारी, दीपक सोनी, राजेश कश्यप,पापिन्दर सिंह, पीयूष त्रिपाठी, दुर्गेश गुप्ता,अरुणा सिंह,अरविंद सिंघानिया, शकुंतला पाण्डेय,अभिषेक शर्मा,आकाश गुप्ता,प्रयागराज साहू,नीलू कश्यप,जितेंद्र सोनी,महेंद्र अग्रवाल,राहुल त्रिपाठी, मनोज सोनी,निशांत पाण्डेय,संजीव वर्मा,आनमिका पैकुरा,अरविन्द कन्नौजिया सहित दोनों समितियों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी सरगुजा सेवा समिति के प्रचार-प्रसार प्रमुख एवं मीडिया प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने दी।

संगम चौक पर भटके दो मासूम,पुलिस ने चंद घंटों में परिजनों से मिलाया कोतवाली पुलिस की तत्परता से सुरक्षित घर लौटे बच्चे,मासूमों को देखते ही परिजनों के खिले चेहरे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

संगम चौक पर परिजनों से बिछड़कर भटक रहे दो मासूम बच्चों को सरगुजा पुलिस की तत्परता और संवेदनशील पहल से कुछ ही घंटों में उनके परिवार तक पहुंचा दिया गया। बच्चों के सुरक्षित

मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा-निर्देशन में गुप्त एवं लावारिस बच्चों के मामलों में त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस को संगम



चौक क्षेत्र में दो बच्चों के लावारिस हालत में घूमने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस

टीम मौके पर पहुंची। आसपास मौजूद जिम्मेदार नागरिकों की मदद से दोनों बच्चों को सुरक्षा के लिए थाने लाया गया। पुलिसकर्मियों ने बच्चों से आत्मीयता से बातचीत कर उनके घर,मोहल्ले और परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। बच्चों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम

ने संभावित इलाकों में परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की सक्रियता का परिणाम जल्द सामने आया और कुछ ही घंटों में दोनों बच्चों के परिजनों का पता लगा लिया गया। परिजनों के थाने पहुंचने पर आवश्यक पहचाएं एवं पुष्टि के बाद दोनों मासूमों को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

गांधी जयंती पर बच्चों के बीच पहुंचे प्रभारी मंत्री,दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित,संस्था को 1 लाख सहायता की घोषणा

गांधी जयंती पर बच्चों के बीच पहुंचे प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम,प्रतिभा देख हुए भावुक



मंत्री रामविचार नेताम ने बच्चों से कहा... अपनी प्रतिभा को बड़े मंय तक लेकर जाएं

स्वच्छता से सेवा तक...गांधी जयंती पर एमसीबी में प्रभारी मंत्री का संवेदनशील दौरा

गांधी-शास्त्री को नमन,फिर छात्रावास और दिव्यांग विद्यालय का निरीक्षण,सेवा संकल्प के साथ मनाई गांधी जयंती

नेत्रहीन बच्चों ने सुनया सुंदरकांड, दिखाई अद्भुत प्रतिभा,मंत्री ने कहा... आप किसी से पीछे नहीं

दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा ने जीता मंत्री का दिल,एक लाख रुपये सहायता की घोषणा...

छात्राओं से छात्रावास की व्यवस्था पूरई,दिव्यांग बच्चों के साथ बैठकर सुना रामायण पाठ

**-संवाददाता-
एमसीबी,02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।**

गांधी जयंती के अवसर पर जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मनेन्द्रगढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सेवा, स्वच्छता, शिक्षा और संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने मनेन्द्रगढ़ के गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद प्री मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास तथा एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली,गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान 2026 से जोड़ा गया, इस दौरान स्वच्छता,जनसेवा और जरूरतमंदों तक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता का संदेश- गांधी जयंती के अवसर पर सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत स्वच्छता दिवस के रूप में

गांधी और शास्त्री को किया नमन-

मनेन्द्रगढ़ के गांधी चौक स्थित स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया, इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दोनों महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया, उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और जनसेवा के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादरी, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की मिसाल कायम की, उनके जीवन और विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, उन्होंने कहा कि गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सम्मान देने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गांधी जयंती का विशेष महत्व है, सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं,इसके माध्यम से स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया,कार्यक्रम में स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया।

आदिवासी कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण-गांधी जयंती के अवसर पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने मनेन्द्रगढ़ स्थित प्री मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया,उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं और उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली,निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं के रहने की व्यवस्था,भोजन,पेयजल, स्वच्छता,शौचालय,अध्ययन की सुविधा, बिजली एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली,प्रभारी मंत्री ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं तथा दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में सीधे बातचीत की,उन्होंने अधिकारियों से छात्रावास की व्यवस्थाओं एवं छात्राओं की आवश्यकताओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की,उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए,साथ ही छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने,अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिव्यांग विद्यालय में बच्चों से किया आत्मीय संवाद-इसके बाद प्रभारी मंत्री ने

एमसीबी जिला नेत्रहीन,विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय का औचक निरीक्षण किया, उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई,भोजन,आवासीय सुविधाओं एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली, बच्चों की प्रतिभा,आत्मविश्वास और उत्साह से प्रभावित होकर प्रभारी मंत्री ने संस्था के संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की,उन्होंने बच्चों के लिए साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए,साथ ही संस्था की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए।

स्वागत गीत और सुंदरकांड की चौपाई ने मोहा मन-विद्यालय पहुंचने पर नेत्रहीन बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर प्रभारी मंत्री सहित सभी अतिथियों का अभिनंदन किया, बच्चों ने संगीत के साथ रामायण का पाठ प्रस्तुत किया और सुंदरकांड की चौपाई सुनाकर सभी का मन मोह लिया,इसके साथ ही बच्चों ने जीव-जंतुओं की अलग-अलग आवाजें निकालकर अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन किया,बच्चों की प्रस्तुति में आत्मविश्वास,अनुशासन और प्रतिभा देखकर उपस्थित अतिथियों ने उनकी सराहना की, बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित प्रभारी मंत्री ने कहा कि उनके लिए यह अवसर बेहद भावुक और यादगार है,बच्चों के बीच आकर उनसे मिलने, बैठने और चर्चा करने का अवसर मिलना उनके लिए आत्मीय खुशी का क्षण है, उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर प्रतिभा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का जो जज्बा है, वह किसी से कम नहीं है।



प्राचार्य ने संस्था की समस्याओं से कराया अवगत- विद्यालय के प्राचार्य संतोष चट्टोकर ने संस्था की वर्तमान आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी प्रभारी मंत्री को दी,उन्होंने बताया कि संस्था के संचालन में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है,उन्होंने तकनीकी कारणों से उत्पन्न आर्थिक समस्या का उल्लेख करते हुए संस्था में कार्यरत शिक्षकों के वेतन में वृद्धि किए जाने की अपील की, प्राचार्य ने बताया कि संस्था को बच्चों के भरण-पोषण के लिए वर्तमान में केवल 600 रुपये की राशि प्राप्त होती है, जिससे भरण-पोषण की व्यवस्था में कठिनाई आती है, उन्होंने इस राशि को बढ़ाने का भी आग्रह किया।

बच्चों की पढ़ाई, भोजन और ब्रेल लिपि की ली जानकारी-प्रभारी मंत्री ने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की संख्या और उनके संबंध में विस्तार से जानकारी ली, उन्होंने पूछा कि किन-किन जिलों के बच्चे यहां अध्ययन कर रहे हैं और उन्हें किस प्रकार की शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है,उन्होंने बच्चों से भोजन व्यवस्था की जानकारी सीधे ली और शिक्षकों से उनकी पढ़ाई के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की,शिक्षकों ने बताया कि बच्चों को ब्रेल लिपि के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है,मंत्री ने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और रुचियों को समझा तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया,उन्होंने जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम को विद्यालय का नियमित रूप से निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों की आवश्यकताओं का समय पर निराकरण हो

सके।
आप किसी से भी पीछे नहीं हैं- प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित किया है कि वे किसी से भी पीछे नहीं हैं, पढ़ाई, संस्कृति,संगीत, रामायण और महाभारत के ज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, उन्होंने कहा कि संगीत के साथ जिस सुंदर अंदाज में बच्चों ने रामायण का पाठ प्रस्तुत किया, उससे वे और उपस्थित सभी लोग बेहद प्रभावित हुए हैं, बच्चों की प्रस्तुति में प्रतिभा के साथ आत्मविश्वास और सीखने की अद्भुत इच्छा दिखाई देती है,उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी बच्चे स्वस्थ और खुश रहें तथा जीवन में जिन ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं, उन ऊंचाइयों तक पहुंचें,उनके सपने बड़े हों और उन्हें पूरा करने के लिए उनका हौसला हमेशा मजबूत बना रहे।

मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश-प्रभारी मंत्री ने संस्था की समस्याओं के निराकरण का भरपूर दिलाते हुए कहा कि संस्था में जो भी मूलभूत आवश्यकताएं हैं,उन्हें बेहतर किया जाएगा,उन्होंने शौचालय,पेयजल, बिस्तर सहित अन्य जरूरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही,साथ ही संस्था के आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं को बढ़ाने के निर्देश दिए गए,उन्होंने कहा कि सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा और संवेदनशीलता के साथ जरूरतमंदों तक सुविधाओं को पहुंचाना है,दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना भी इसी सेवा भावना का हिस्सा है।

बच्चों की कला और आवाज को बड़े मंच तक पहुंचाने पर जोर-प्रभारी मंत्री ने बच्चों की संगीत प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा केवल संस्था तक सीमित नहीं रहनी चाहिए,बच्चों के पास संगीत और गायन की विशेष कला है,इसके लिए एक अच्छे कार्यक्रम टीम तैयार की जा सकती है, जिसके माध्यम से वे बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं,उन्होंने कहा कि बच्चों की कला और आवाज में इतनी क्षमता है कि वे आगे चलकर बड़े स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं,उन्होंने कहा कि बच्चों की इसी प्रतिभा को उनकी ताकत बनाकर आगे बढ़ाने की जरूरत है। उनके अंदर जो जज्बा,जुनून और कुछ कर गुजरने की इच्छा है,उसे मिलकर आगे लेकर जाना है।

संस्था के लिए एक लाख रुपये की सहायता-प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने संस्था की गतिविधियों,संचालन और आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की,उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य केवल आर्थिक सहयोग करना नहीं है,बल्कि बच्चों के अंदर मौजूद प्रतिभा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना को प्रोत्साहित करना है,उन्होंने बच्चों के अंदर मौजूद क्षमताओं को सही मंच और अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया,साथ ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे स्वस्थ रहें, खुश रहें,निरंतर आगे बढ़ें और अपने परिवार,संस्था तथा पूरे जिले का नाम रोशन करें,इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने बच्चों को साउंड सिस्टम बॉक्स एवं फल-फूल भेंट किए,बच्चों के साथ आत्मीय संवाद और उनकी प्रतिभाओं की प्रस्तुति से विद्यालय में उत्साह और खुशी का वातावरण रहा।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद-इस दौरान नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव,उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा,पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले,कलेक्टर संतन देवी जांगड़े,पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह,जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम,अपर कलेक्टर नम्रता डोगरे, एसडीएम लिंगराज सिदार,विजयेंद्र साथी, तहसीलदार श्रुति धुर्वे,जिला संगठन प्रभारी एमसीबी बाबूलाल अग्रवाल,अनिल अग्रवाल, प्राचार्य संतोष चट्टोकर,शिक्षक राकेश गुप्ता, गोपाल तिवारी,रामनाथ,रामनारायण सहित जनप्रतिनिधि एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर न्यायालय परिसर में गूंजा श्रमदान का संदेश

प्रधान जिला न्यायाधीश थॉमस एक्का के नेतृत्व में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और न्यायिक कर्मचारियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

**-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।**

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर जिला न्यायालय सूरजपुर परिसर में स्वच्छता और श्रम की गरिमा का संदेश देखने को मिला, गांधी जयंती के अवसर पर न्यायालय परिसर में एक दिवसीय श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया,कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर थॉमस एक्का के नेतृत्व में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, न्यायिक कर्मचारियों और पैरालीगल वालंटियर्स ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संकल्प लिया, कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, इसके बाद न्यायालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, अभियान में न्यायिक अधिकारियों से लेकर अधिवक्ताओं,कर्मचारियों और पैरालीगल वालंटियर्स तक ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

न्यायाधीशों से कर्मचारियों तक सभी ने किया श्रमदान- 'स्वच्छता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है' की भावना के साथ आयोजित इस अभियान में न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई की गई, परिसर में जमा कचरे और अव्यवस्थित स्थानों की सफाई करते हुए न्यायालय परिसर को स्वच्छ,सुंदर और व्यवस्थित बनाने का सामूहिक प्रयास किया गया, इस दौरान श्रमदान केवल औपचारिक गतिविधि तक सीमित नहीं रहा, यायिक परिवार के विभिन्न वर्गों ने स्वयं सफाई कार्य में हिस्सा लेकर श्रम की गरिमा और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश

दिया।

गांधी के स्वच्छता संदेश को व्यवहार में उतारना- महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम उनके स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता से जुड़े विचारों को व्यवहार में उतारने की पहल के रूप में सामने आया, न्यायालय परिसर में आयोजित सामूहिक श्रमदान के माध्यम से यह संदेश दिया गया



कि सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति का दायित्व नहीं,बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है,कार्यक्रम में जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण,कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश,लीगल एड डिफेंस कौंसिल के अधिवक्तागण,जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण,न्यायिक कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालंटियर्स सहित अन्य संबंधित लोगों ने सहभागिता की, गांधी जयंती के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में हुआ यह श्रमदान कार्यक्रम स्वच्छता, सहभागिता और श्रम की गरिमा का संदेश देते हुए संपन्न हुआ।

आत्महत्या नहीं मान रहे परिजन....

जवान की मौत पर सड़क पर उतरा गांव

जवान की मौत पर परिजनों का फूटा आक्रोश,शव सड़क पर रखकर किया प्रदर्शन

शहीद का दर्जा,एक करोड़ मुआवजा,पत्नी को नौकरी और बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने की मांग...

क्रिंडा ठाकुर का शव रखकर प्रदर्शन,एसआईटी जांच की मांग

**-संवाददाता-
सूरजपुर/देवनगर,02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 6वीं वाहिनी में पदस्थ जवान विजेंद्र ठाकुर (सी-574) की बीजापुर में हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है, 30 सितंबर 2026 को जवान की मौत के बाद जब शव देवनगर स्थित गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा,बटालियन स्तर पर जवान की मौत को गोली लगने से हुई आत्महत्या बताया गया है,जबकि परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से साफ इनकार करते हुए हत्या अथवा साजिश की आशंका जताई है, उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार फरसेगढ़ पुलिस ने मार्ग कायम कर प्रांरिक जांच शुरू की है और घटना के कारणों तथा साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है,परिजनों और ग्रामीणों ने मौत की वास्तविक परिस्थितियों को सामने लाने की मांग करते हुए देवनगर मुख्य मार्ग पर शव रखकर कई घंटे प्रदर्शन किया, प्रदर्शन के दौरान निष्पक्ष जांच,एसआईटी गठन,जवान को शहीद का दर्जा और परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

आत्महत्या की बात पर परिजनों ने उठाए सवाल- परिजनों का कहना है कि जवान की मौत को सीधे आत्महत्या मान लेना कई सवालों को अनुचित छोड़ देता है, परिवार चाहता है कि घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो तथा यह स्पष्ट किया जाए कि जवान की मौत किन परिस्थितियों में हुई,परिजनों ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि शव गांव लाए जाने के दौरान विभाग की ओर से किसी वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी नहीं थी,उनका कहना है कि जवान की मौत जैसी गंभीर घटना में परिवार को पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए।



एसआईटी गठित कर समयबद्ध जांच की मांग- परिजनों एवं ग्रामीणों की ओर से मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौंप गए ज्ञापन में घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने और एसआईटी गठित करने की मांग की गई है,ज्ञापन में कहा गया है कि जांच निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से हो तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जाए,यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारी भी तय की जाए।

शहीद का दर्जा और एक करोड़ रुपये की सहायता की मांग-परिजनों ने जवान विजेंद्र ठाकुर को शहीद का दर्जा देने की मांग की है, इसके साथ ही परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग भी ज्ञापन में रखी गई है, परिजनों का कहना है कि जवान की मृत्यु के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो गई है,ऐसे में शासन को परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

पत्नी को सरकारी नौकरी, बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाने की मांग- ज्ञापन में जवान की पत्नी सिरता ठाकुर को सरकारी नौकरी देने की मांग भी की गई है,साथ ही बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किए जाने की मांग रखी गई है,परिजनों का कहना है कि जवान परिवार का महत्वपूर्ण सहारा था,उसकी मृत्यु के बाद परिवार की आर्थिक सुरक्षा और बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई

है, इसलिए शासन से तत्काल राहत और दीर्घकालीन सहायता की अपेक्षा की गई है।

शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन,प्रशासन ने संभाली स्थिति-जवान का शव गांव पहुंचने के बाद परिजन और ग्रामीण देवनगर मुख्य मार्ग पर एकत्र हुए,शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया गया,इससे मार्ग पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई, सूचना मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे,अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत की तथा उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया,इसके बाद प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपने पर सहमत हुए,ज्ञापन सौंप जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

ग्रामीणों ने खुद तिरंगे में लपेटा शव- प्रदर्शन समाप्त होने के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने जवान को श्रद्धांजलि दी, इसके बाद उन्होंने स्वयं जवान के शव को तिरंगे में लपेटकर सम्मान के साथ अंतिम यात्रा निकाली,इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौजूद रहे। एक ओर गांव में जवान की मौत को लेकर गहरा शोक रहा,वहीं दूसरी ओर परिजनों की ओर से उठाए गए सवालों के कारण घटना की निष्पक्ष जांच की मांग भी प्रमुख बनी रही।

ज्ञापन में इन लोगों के हस्ताक्षर- मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मृत जवान की पत्नी सिरता ठाकुर सहित लालजी ठाकुर, नरेश राजवाड़े, पंकज तिवारी, दीपक गुप्ता, निवेश गुप्ता, विजय कुमार, अनिलेश यादव, बाबूलाल प्रजापति, हरिचरण यादव, हरिराम राजवाड़े और रुद्रानंद ठाकुर सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर बताए गए हैं, अब परिजनों की नजर जांच की आगे की कार्यवाई पर है। परिवार को मुख्य मांग है कि जवान की मौत की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच हो और जांच के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाए कि विजेंद्र ठाकुर की मौत वास्तव में किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार पुलिस स्तर पर जांच जारी है।



खेत की मक्का, मूंगफली और लिट्टी-चोखा से सजती है वेदांती तिवारी की मौसमी महफिल

लकड़ी की आग, खेत की मक्का और लिट्टी-चोखा...कुड़ेली में हर साल जमती है देसी महफिल

न होटल, न तामझाम...
खेत की उपज से सजती है वेदांती
तिवारी की अनोखी मौसमी पार्टी

मोबाइल की दुनिया से दूर, मक्का-
मूंगफली के साथ बचपन की यादें ताजा
करती है यह मौसमी पार्टी

मक्का-मूंगफली बहना है, असली
मकसद अपनापन...कई दिनों तक
जुटते हैं जिलेभर के परिचित

खेत से निकली मक्का-मूंगफली,
लकड़ी की आग और लिट्टी-चोखा...
कुड़ेली की पार्टी बनी खास पहचान

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष की
देसी पार्टी का अलग अंदाज,
मक्का-मूंगफली के साथ
लिट्टी-चोखा का स्वाद

आधुनिक पार्टियों से अलग कुड़ेली की
मौसमी महफिल, खेत की फसल
परोसकर मेहमानों की आवांज

पार्टी हो तो ऐसी...न होटल का बिल, न
दिखावे का तामझाम, खेत की मक्का-
मूंगफली और लिट्टी-चोखा से
कई दिन मेहमाननवाजी!

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर, 02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

आज के दौर में जब पार्टी और मिलन समारोह का मतलब अक्सर होटल, रेस्टोरेंट, महंगे व्यंजन और आधुनिक इंतजामों से जोड़कर देखा जाता है, वहीं कोरिया जिले के ग्राम कुड़ेली में हर साल होने वाला एक आयोजन इन तमाम धारणाओं से बिल्कुल अलग नजर आता है, यहां पार्टी का अंदाज न तो किसी बड़े होटल जैसा है और न ही इसमें आधुनिक तामझाम की जरूरत होती है, खेत से निकली ताजी मक्का-मूंगफली, लकड़ी की आग, हरी मिर्च की चटनी और लिट्टी-चोखा के साथ लोगों के बीच बैठकर बातचीत-यही इस मौसमी पार्टी की असली पहचान है। ग्राम कुड़ेली निवासी एवं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी पिछले कई वर्षों से अपने गृह निवास पर इस मौसमी आयोजन की परंपरा निभाते आ रहे हैं, फसल के मौसम में होने वाली यह पार्टी अब उनके परिचितों और शुभचिंतकों के लिए भी एक खास इंतजार का अवसर बन चुकी है, सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि, परिचित और उनके चाहने वाले पहुंचते हैं तथा ग्रामीण परिवेश में तैयार किए गए भोजन का आनंद लेते हैं।

पार्टी की शुरुआत खेत से होती है- इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि इसकी शुरुआत किसी बाजार या रेस्टोरेंट से नहीं, बल्कि खेत से होती है, वेदांती तिवारी स्वयं खेती से जुड़े हुए हैं और हर साल अपने खेतों में मक्का और मूंगफली की फसल लेते हैं, जब फसल तैयार होती है तो खेत से ताजी मक्का

लकड़ी की आग पर पकता है देसी स्वाद-

मौसमी पार्टी में आधुनिक गैस चूल्हे या बड़े किचन की जगह लकड़ी की आग का इस्तेमाल किया जाता है, ताजी मक्का और मूंगफली को इसी आग पर पकाया जाता है, साथ में हरी मिर्च की चटनी और लिट्टी-चोखा का इंतजाम रहता है, लिट्टी-चोखा भी इस देसी महफिल का महत्वपूर्ण हिस्सा है, मिट्टी और खेत से जुड़े ग्रामीण परिवेश में लकड़ी की आग पर तैयार होने वाले इन व्यंजनों का स्वाद लोगों को खासा पसंद आता है, आयोजन में आने वाले लोग अपने परिचितों के साथ बैठकर भोजन करते हैं और बातचीत का दौर चलता रहता है। इस दौरान भोजन से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है लोगों का एक-दूसरे से मिलना और समय बिताना।

और मूंगफली निकालकर उन्हें इस मौसमी आयोजन में शामिल किया जाता है, खेत से निकली ताजी उपज को सीधे घर लाया जाता है और फिर खुले स्थान पर लकड़ी की आग जलाकर उसे पकाया जाता है, आग पर सिकती मक्का और मूंगफली की खुशबू के बीच जब लोग एक साथ बैठते हैं तो आयोजन का माहौल अपने आप ही किसी ग्रामीण चौपाल जैसा बन जाता है, यही वह पहलू है जो इस पार्टी को सामान्य आयोजनों से अलग बनाता है, यहां भोजन केवल परोसा नहीं जाता, बल्कि उसे तैयार करने की पूरी प्रक्रिया भी आयोजन का हिस्सा होती है।

कई दिनों तक चलता है मेल-मिलाप-वेदांती तिवारी की यह मौसमी पार्टी किसी एक शाम तक सीमित नहीं रहती, करीब सात दिनों तक अलग-अलग समय पर लोग उनके घर पहुंचते हैं, इस दौरान जिले के कई जनप्रतिनिधियों के साथ उनके परिचित और शुभचिंतक भी शामिल होते हैं, एक दिन में सभी लोगों को बुलाने के बजाय कई दिनों तक यह सिलसिला चलने से अधिक लोगों को शामिल होने का अवसर मिल जाता है, कोई दोपहर में पहुंचता है तो कोई शाम को, लोग आते हैं, खेत

की उपज से तैयार भोजन का स्वाद लेते हैं, बातचीत करते हैं और फिर अपने साथ इस देसी आयोजन की याद लेकर लौटते हैं।

मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलकर आमने-सामने की बातचीत-आज की जीवनशैली में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया ने लोगों के बीच संपर्क तो बढ़ाया है, लेकिन आमने-सामने बैठकर बातचीत और साथ समय बिताने का अवसर कम होता जा रहा है, ऐसे समय में कुड़ेली की यह मौसमी पार्टी लोगों को कुछ घंटे मोबाइल और आधुनिक व्यस्तताओं से अलग होकर एक-दूसरे के साथ बैठने का अवसर देती है, यहां बातचीत का केंद्र कोई औपचारिक एजेंडा नहीं होता, लोग खेती, गांव, पुराने परिचितों, परिवार और अपने अनुभवों पर चर्चा करते हैं, कई लोगों के लिए यह आयोजन पुराने दिनों की याद भी ताजा करता है, जब गांवों में लोग सामूहिक रूप से खेतों और चौपालों पर बैठकर समय बिताना करते थे।

बचपन की यादों से जुड़ा मक्का और मूंगफली का स्वाद-मक्का और मूंगफली केवल इस पार्टी के व्यंजन नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन और बचपन की यादों से भी जुड़े हुए हैं,

खेत से ताजा मक्का तोड़कर आग में भूना और गर्मागर्म मूंगफली खाना गांवों में लंबे समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा रहा है, इसी पुराने स्वाद को वेदांती तिवारी ने अपने इस आयोजन के माध्यम से एक सामूहिक मिलन का रूप दिया है, यही वजह है कि इस पार्टी में शामिल होने वाले लोगों के लिए यह केवल खाना खाने का अवसर नहीं रह जाता, बल्कि बचपन और ग्रामीण जीवन की यादों को फिर से जीने जैसा अनुभव बन जाता है।

आधुनिक पार्टी से अलग है पूरा आयोजन-आजकल होने वाली पार्टियों में सजावट, संगीत, विभिन्न प्रकार के व्यंजन और आधुनिक व्यवस्थाएं आम बात हैं, इसके मुकाबले कुड़ेली की यह पार्टी काफी सरल है। यहां मुख्य आकर्षण ही खेत की उपज और पारंपरिक भोजन है, न किसी बड़े होटल की जरूरत, न महंगे इंतजाम की, खुले वातावरण में लकड़ी की आग पर पकता मक्का, मूंगफली और लिट्टी-चोखा ही आयोजन का केंद्र होता है, यही सादगी इसमें शामिल होने वाले लोगों को पसंद आती है।

किसान से मेजबान तक की भूमिका-वेदांती तिवारी के लिए यह आयोजन उनकी खेती से भी सीधे जुड़ा हुआ है, एक किसान के रूप में खेत में पैदा की गई फसल को अपने परिचितों और शुभचिंतकों के साथ साझा करना इस आयोजन का मूल भाव दिखाई देता है, यानी खेत में मेहनत से तैयार हुई फसल केवल बाजार तक नहीं जाती, बल्कि उसका एक हिस्सा लोगों के साथ बैठकर साझा करने की परंपरा में भी बदल जाता है, इस लिहाज से यह आयोजन खेती, भोजन और सामाजिक मेल-मिलाप को एक साथ जोड़ता है।

लोगों को रहता है
इस मौसम का इंतजार

पार्टी में शामिल होने वाले लोगों के बीच इसकी चर्चा और इंतजार का कारण भी यही सादगी बताई जाती है, आधुनिकता से दूर खुले वातावरण में बैठकर ताजा खेत की उपज खाना और पुराने परिचितों के साथ समय बिताना आज के दौर में अपने आप में अलग अनुभव है, लोगों के लिए यह आयोजन किसी औपचारिक कार्यक्रम से ज्यादा अपनेपन का अवसर बनता है, यही कारण है कि मौसम आने के साथ ही इस पार्टी को लेकर परिचितों के बीच उत्सुकता दिखाई देती है।

ग्रामीण संस्कृति और
अपनत्व की महफिल

वेदांती तिवारी की मौसमी पार्टी को यदि केवल मक्का-मूंगफली खाने का आयोजन कहा जाए तो शायद इसकी पूरी तस्वीर सामने नहीं आएगी, इसकी असली पहचान इसके पीछे छिपी अपनत्व, ग्रामीण संस्कृति और सामूहिक मेल-जोल में है, खेत में उगी फसल से लेकर लकड़ी की आग पर पकने वाले भोजन और फिर एक साथ बैठकर खाने तक-पूरी प्रक्रिया ग्रामीण जीवन की उस सहजता को सामने लाती है, जो आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़ में कहीं पीछे छूटती जा रही है, कुड़ेली में हर साल होने वाला यह आयोजन इसी पुराने देसीपन को कुछ दिनों के लिए फिर से जीवंत कर देता है, मक्का, मूंगफली और लिट्टी-चोखा बहना है, असल में यहां लोग एक-दूसरे से मिलने, साथ बैठने और अपनेपन के कुछ पल बिताने के लिए जुटते हैं। यही इस मौसमी पार्टी की सबसे बड़ी खासियत है।

पीड़ित से मारपीट और हाथ को दांत से काटने के मामले में आरोपी को सजा

विशेष न्यायालय बैकुण्ठपुर का फैसला, रामप्रसाद उर्फ चांटी को अलग-अलग धाराओं में कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर, 02 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से संबंधित विशेष आपराधिक प्रकरण क्रमांक 36/2025 में विशेष न्यायालय बैकुण्ठपुर, कोरिया ने 30 सितंबर 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपी रामप्रसाद उर्फ चांटी को दोषी ठहराया है, विशेष न्यायाधीश आशीष पाठक की अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया। न्यायालय के फैसले के अनुसार मामला 4 नवंबर 2025 की सुबह करीब 9:30 बजे बैकुण्ठपुर के प्रेमाबाग क्षेत्र का है, प्रकरण में आरोप था कि आरोपी पीड़ित के घर पहुंचा और उसके भतीजे के संबंध में पूछताछ की, पीड़ित द्वारा भतीजे के घर पर नहीं होने की जानकारी दिए जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित के अकेले होने का फायदा उठाते हुए उसके साथ मारपीट की, घटना के दौरान पीड़ित के विरोध करने पर उसके हाथ में दांत से काटने का भी उल्लेख प्रकरण में किया गया है।

भतीजे के बारे में पूछताछ करने पहुंचा था आरोपी- न्यायालयीन फैसले में दर्ज प्रकरण के अनुसार 4 नवंबर 2025 को सुबह करीब 9:30 बजे आरोपी रामप्रसाद उर्फ चांटी बैकुण्ठपुर के प्रेमाबाग स्थित पीड़ित के घर पहुंचा



न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना

मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष न्यायाधीश आशीष पाठक ने 30 सितंबर 2026 को फैसला सुनाया, न्यायालय ने आरोपी रामप्रसाद उर्फ चांटी को दोषी ठहराते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अलग-अलग सजा सुनाई, न्यायालय के फैसले के अनुसार धारा 333 के अपराध में एक वर्ष का कठोर कारावास एवं 2,000 रुपये अर्थदंड, धारा 74 के अपराध में एक वर्ष तीन माह का कठोर कारावास एवं 2,000 रुपये अर्थदंड, धारा 118 के अपराध में छह माह का कठोर कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड, उपलब्ध न्यायालयीन दस्तावेज में धारा 118 के संबंध में सजा का उल्लेख एक अन्य स्थान पर भी किया गया है, इसलिए इस खबर में सजा का विवरण दस्तावेज में दर्ज शब्दों के अनुरूप ही रखा गया है।

था, वहां उसने पीड़ित से उसके भतीजे के बारे में पूछा, पीड़ित ने आरोपी को बताया कि उसका भतीजा घर पर नहीं है,

इसके बाद प्रकरण के अनुसार आरोपी ने पीड़ित के घर में अकेले होने की स्थिति का फायदा उठाया और उसके साथ

मारपीट की, फैसले में अभियोजन के मामले के संबंध में उल्लेख है कि आरोपी ने पीड़ित को पकड़कर बिस्तर में लिटा दिया तथा उसके शरीर को इधर-उधर छुआ, पीड़ित द्वारा विरोध किए जाने के बाद उसके साथ मारपीट की गई और आरोपी ने अपने दांत से पीड़ित के बाएं हाथ पर काट लिया, घटना के बाद पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस में दर्ज कराई।

अज्ञात थाना बैकुण्ठपुर में दर्ज हुआ था अपराध- पीड़ित की शिकायत पर थाना अज्ञात बैकुण्ठपुर में अपराध क्रमांक 10/2025 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 333, 74, 118 एवं 115(2)

के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(घ)(i) के तहत प्रकरण दर्ज किए जाने का उल्लेख न्यायालयीन दस्तावेज में है, इसके बाद प्रकरण की विवेचना और न्यायालयीन कार्रवाई आगे बढ़ी, विशेष न्यायालय में मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से प्रकरण से संबंधित तथ्य एवं साक्ष्य न्यायालय के समक्ष रखे गए।

शासन की ओर से महेश शर्मा ने की पैरवी- मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक महेश शर्मा ने पैरवी की, अभियोजन की ओर से मामले के तथ्यों एवं उपलब्ध सामग्री को न्यायालय के समक्ष रखा गया, विशेष न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद आरोपी को दोषसिद्ध करते हुए अलग-अलग धाराओं में कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा दी गई है।

शिकायत से फैसला आने तक पहुंचा मामला-इस प्रकरण की शुरुआत पीड़ित द्वारा घटना के बाद की गई लिखित शिकायत से हुई थी, शिकायत के आधार पर अज्ञात थाना बैकुण्ठपुर में अपराध दर्ज किया गया और मामला न्यायालय तक पहुंचा, इसके बाद विशेष न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई हुई, करीब एक वर्ष के भीतर मामले में न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया, 30 सितंबर 2026 को सुनाए गए फैसले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा निर्धारित की।

फैसले के प्रमुख तथ्य

बिंदु	विवरण
न्यायालय	विशेष न्यायालय, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, बैकुण्ठपुर, कोरिया
विशेष न्यायाधीश	आशीष पाठक
प्रकरण क्रमांक	36/2025
फैसला	30 सितंबर 2026
अरोपी	रामप्रसाद उर्फ चांटी
घटना	4 नवंबर 2025
थाना	अज्ञात बैकुण्ठपुर
अपराध क्रमांक	10/2025
शासन की ओर से पैरवी	महेश शर्मा, विशेष लोक अभियोजक
धारा 333	1 वर्ष कठोर कारावास + ₹2,000 अर्थदंड
धारा 74	1 वर्ष 3 माह कठोर कारावास + ₹2,000 अर्थदंड
धारा 118	6 माह कठोर कारावास + ₹500 अर्थदंड

एससी-एसटी एक्ट की धारा में भी हुआ था प्रकरण दर्ज-प्रकरण की शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(घ)(i) के तहत भी अपराध दर्ज किया गया था, न्यायालयीन दस्तावेज में इसका उल्लेख प्रकरण के पंजीयन के संदर्भ में किया गया है, हालांकि उपलब्ध फैसले की तस्वीर में सजा का स्पष्ट विवरण भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत दिया गया है, इसलिए एससी-एसटी एक्ट के तहत अलग से कोई सजा

सुनाए जाने का दावा इस खबर में नहीं किया जा रहा है। न्यायालयीन फैसले से निकला संदेश-इस मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषी ठहराकर सजा सुनाए जाने के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आया है, घटना के बाद दर्ज शिकायत से शुरू हुई न्यायिक प्रक्रिया में अब विशेष न्यायालय का फैसला सामने आया है। अदालत ने उपलब्ध अभियोजन सामग्री और मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को संबंधित अपराधों में दोषी मानते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है।



श्यामलाल सिंह

शाखा प्रबंधक, सहकारी बैंक भैयाथान
पूर्व प्राधिकृत अधिकारी, समिति सोनपुर

सोनपुर की आमसभा में खुला 'पंजी' का पन्ना, सवालनों के बीच बैठक स्थगित

प्राधिकृत अधिकारी श्यामलाल सिंह की अनुपस्थिति और बार-बार नई पंजी संधारित किए जाने पर सदस्यों ने उठाए सवाल

30 सितंबर की वार्षिक साधारण आमसभा में किसानों ने मांगी पुरानी कार्यवाही पंजी

विवादित कर्मचारी की नियुक्ति से लेकर बर्खास्तगी अवधि के वेतन भुगतान तक मांगा पूरा रिकॉर्ड— जानकारी नहीं मिलने पर आमसभा की कार्यवाही स्थगित करने का दावा

—ऑकार पाण्डेय—

सूरजपुर/ सोनपुर, 02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सोनपुर, पंजीयन क्रमांक 580 में 30 सितंबर को आयोजित वार्षिक साधारण आमसभा उस समय सवालनों के घेरे में आ गई, जब बैठक में मौजूद कृषकों और सदस्यों ने संस्था की कार्यवाही पंजी उपलब्ध कराने की मांग उठाते हुए समिति के कामकाज से जुड़े पुराने निर्णयों और हाल में की गई कार्यवाहियों पर जानकारी मांगी, उपलब्ध जानकारी के अनुसार सदस्यों ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जताई कि संस्था की बैठक कार्यवाही पंजी बार-बार नई क्यों संधारित की गई और इन्हें बैठकों में कार्यवाहक सचिव नियुक्त कर विवादित कर्मचारियों को दोबारा कार्य पर रखने तथा बाद में भुगतान किए जाने का आधार क्या था। बताया गया है कि सदस्यों के सवालनों का अपेक्षित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने और प्राधिकृत अधिकारी श्यामलाल सिंह, जो भैयाथान शाखा के शाखा प्रबंधक हैं, की अनुपस्थिति को लेकर भी आपत्ति जताई गई, इसके बाद आमसभा में उपस्थित सदस्यों ने बैठक का विरोध किया और 30 सितंबर की आमसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, यह सोनपुर समिति में कार्यवाही पंजी, कर्मचारी की पुनर्नियुक्ति और वेतन भुगतान को लेकर पहले से सवाल उठते रहे हैं, हालांकि इन सभी आरोपों की अंतिम पुष्टि संबंधित मूल अभिलेखों और सक्षम विभागोंय जांच से ही हो सकती है।

आमसभा में पहला सवाल—पुरानी कार्यवाही पंजी आखिर कहां है?— सहकारी संस्था की आमसभा में जब सदस्यों ने संस्था की बैठक कार्यवाही पंजी उपलब्ध कराने की मांग की तो मामला सीधे उस रिकॉर्ड तक पहुंच गया, जिसे संस्था के निर्णयों का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है, सदस्यों का सवाल था कि यदि पूर्व में संस्था की बैठक हुई है तो उनकी मूल कार्यवाही पंजी कहां है? हाल की बैठकों में नई कार्यवाही पंजी क्यों संधारित की गई? किसके आदेश से नई पंजी खोली गई? क्या पुरानी पंजी उपलब्ध थी? यदि उपलब्ध थी तो नई पंजी की जरूरत क्यों पड़ी? और यदि पुरानी पंजी उपलब्ध नहीं थी तो वह कहां गई? यही

पहले नई पंजी, फिर कार्यवाहक सचिव, फिर कर्मचारी की वापसी-सदस्यों ने मांगा पूरा हिसाब

सोनपुर समिति में पहले से विवादित रहे कर्मचारी की पुनः नियुक्ति को लेकर भी आमसभा में सवाल उठाए गए, सदस्यों की मांग बताई जा रही है कि यह स्पष्ट किया जाए कि कर्मचारी की मूल नियुक्ति कब और किस प्रक्रिया के तहत हुई थी? क्या पद स्वीकृत था? क्या नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया था? क्या आवेदन मंगाए गए थे? क्या चयन प्रक्रिया हुई थी? क्या नियुक्ति आदेश जारी हुआ था? क्या बोर्ड की अनुमति थी? और सबसे महत्वपूर्ण—कर्मचारी को दोबारा कार्य पर रखने से पहले उसकी मूल नियुक्ति से जुड़े सभी दस्तावेजों का परीक्षण किया गया था या नहीं? यदि दस्तावेजों की जांच की गई थी तो उन्हें आमसभा के सामने रखने में समस्या नहीं होनी चाहिए, यदि जांच नहीं हुई थी तो फिर विवादित नियुक्ति को आधार बनाकर दोबारा कार्य पर रखने का निर्णय किस आधार पर हुआ, यह सवाल और गंभीर हो जाता है।

सवाल आमसभा में उठाए जाने की बात सामने आ रही है।
एक दिन के कार्यवाहक सचिव से लेकर भुगतान तक—किसके आदेश पर हुआ सब कुछ?— इस मामले में पहले उठ चुके सवालनों को आमसभा ने फिर सामने ला दिया, आरोप है कि संस्था की बैठक कार्यवाही के लिए बार-बार नई पंजी संधारित की गई और एक दिन के लिए कार्यवाहक सचिव, प्रबंधक की व्यवस्था की गई, इसके बाद बर्खास्त अथवा सेवा से पृथक रहे कर्मचारियों को दोबारा कार्य पर रखने तथा उनके पूर्व की अवधि के भुगतान संबंधी निर्णय लिए गए, अब आमसभा में सदस्यों ने कथित रूप से यह जानना चाहा कि कार्यवाहक सचिव को किस आदेश से नियुक्त किया गया? उसे कितने अधिकार दिए गए? नई कार्यवाही पंजी किसके आदेश से तैयार हुई? बर्खास्त कर्मचारी को किसके आदेश पर पुनः कार्य पर लिया गया? और यदि कर्मचारी संस्था में कार्यरत नहीं था तो उसकी अनुपस्थिति अथवा सेवा से पृथक रहने की अवधि का भुगतान किस नियम के तहत किया गया? ये सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि समिति के खाते से होने वाला प्रत्येक भुगतान दस्तावेजों आधार पर होना चाहिए।

30 सितंबर की आमसभा ने पुराने सवालनों को फिर जिंदा कर दिया— 30 सितंबर की वार्षिक साधारण आमसभा में किसानों और सदस्यों ने जिस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, वह केवल किसी एक कर्मचारी का मामला नहीं था, सदस्यों ने कथित तौर पर संस्था की पूरी निर्णय प्रक्रिया और रिकॉर्ड प्रबंधन पर सवाल उठाया, मांग की गई कि कार्यवाही पंजी उपलब्ध कराई जाए और बताया जाए कि नई पंजी क्यों बनाई गई, साथ ही यह भी पूछा गया कि नई पंजी में कार्यवाहक सचिव की नियुक्ति कर किस आधार पर बर्खास्त अथवा सेवा से पृथक कर्मचारियों को वापस कार्य पर रखा गया, फिर उसी तरह नई पंजी

संधारित कर किस आदेश के आधार पर कर्मचारियों को भुगतान किया गया? यदि भुगतान किया गया तो क्या उच्च कार्यालय की अनुमति ली गई? यदि अनुमति ली गई तो आदेश कहां है? और यदि अनुमति नहीं ली गई तो भुगतान का आधार क्या था?
आमसभा में जानकारी नहीं मिली तो बैठक ही स्थगित—सहकारिता के लिए बड़ा सवाल— आमसभा संस्था के सदस्यों के लिए वह मंच होती है जहां संस्था के कामकाज, वित्तीय स्थिति और महत्वपूर्ण निर्णयों पर सवाल पूछे जा सकते हैं, ऐसे में यदि बैठक में ही सदस्य कार्यवाही पंजी और वित्तीय निर्णयों से संबंधित रिकॉर्ड मांगें और जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाए, तो यह सामान्य स्थिति नहीं कहें जा सकती, उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसी कारण उपस्थित सदस्यों ने बैठक का विरोध किया और आमसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी, अब अगली बैठक में सबसे पहले यही स्पष्ट करना होगा कि जिन दस्तावेजों की मांग की गई थी, वे कहां हैं।

सवाल सिर्फ सोनपुर के नहीं, सहकारिता की जवाबदेही के हैं—सोनपुर समिति का मामला अब केवल एक कर्मचारी की नियुक्ति या वेतन भुगतान तक सीमित नहीं रह गया है, यह सवाल बन गया है कि संस्था में निर्णय कैसे लिए जा रहे हैं? रिकॉर्ड कैसे रखा जा रहा है? कार्यवाही पंजी कितनी हैं? किस पंजी को मूल माना जा रहा है? कार्यवाहक सचिव की नियुक्ति किस अधिकार से होती है? वित्तीय भुगतान से पहले कौन-सा परीक्षण किया जाता है? और आमसभा में सदस्यों को संस्था के महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णयों की जानकारी किस तरह दी जाती है? यदि इन सवालनों का रिकॉर्ड के आधार पर जवाब मिल जाता है तो विवाद का बड़ा हिस्सा समाप्त हो सकता है।

शिवप्रसादनगर के बाद सोनपुर— क्या दोनों मामलों की वित्तीय प्रक्रिया भी जांचेगी व्यवस्था?— शिवप्रसादनगर समिति के



बचत खाते से बड़े पैमाने पर भुगतान को लेकर पहले से सवाल उठते रहे हैं, अब सोनपुर समिति में भी भुगतान और कार्यवाही पंजी को लेकर सवाल सामने आए हैं, ऐसे में यह जरूरी होगा कि दोनों मामलों को एक-दूसरे से जोड़कर आरोप लगाने के बजाय अलग-अलग दस्तावेजों जांच की जाए, सोनपुर के लिए देखा जाए कि किस तारीख को कितना भुगतान हुआ, किस कर्मचारी को कितना भुगतान हुआ, किस अवधि का भुगतान हुआ, किस प्रस्ताव के आधार पर हुआ, किसने भुगतान स्वीकृत किया, किसने चेक जारी किया, और क्या उच्च कार्यालय की अनुमति आवश्यक थी, यदि प्रत्येक भुगतान के पीछे वैध दस्तावेज मौजूद हैं तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

अब 'नई पंजी' ही सबसे बड़ा दस्तावेज सवाल— पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा यदि किसी चीज की है तो वह है—बार-

हैं, और यही किसी भी सहकारी संस्था के लिए स्वस्थ प्रक्रिया है, यदि समिति का रिकॉर्ड सही है तो उसे सामने आने देना चाहिए, यदि भुगतान सही है तो उनका विवरण सदस्यों को दिया जाना चाहिए, यदि कर्मचारी की नियुक्ति वैध है तो उसका आदेश सामने आना चाहिए, यदि वेतन भुगतान नियमसम्मत है तो संबंधित स्वीकृति और गणना बताई जानी चाहिए, दस्तावेज सामने आने पर तो आरोप और तथ्य अलग-अलग हो जाएंगे।

अब विभाग के सामने पांव बड़े सवाल

- पहला—सोनपुर समिति की 30 सितंबर की वार्षिक साधारण आमसभा किस कारण स्थगित हुई और अगली बैठक कब होगी?
 - दूसरा—संस्था की मूल कार्यवाही पंजी कितनी हैं और बार-बार नई पंजी संधारित करने का आधार क्या था?
 - तीसरा—विवादित कर्मचारी की मूल नियुक्ति, पुनः नियुक्ति और वेतन भुगतान से जुड़े सभी दस्तावेजों का परीक्षण किस अधिकारी ने किया?
 - चौथा—16 सितंबर को श्यामलाल सिंह के त्यागपत्र की वर्तमान स्थिति क्या है और उसके बाद उनके द्वारा किए गए पत्राचार अथवा भुगतान संबंधी कार्यवाही किस अधिकार के तहत हुई?
 - पांचवां—समिति के बचत खाते से कर्मचारियों को किए गए भुगतान का स्वतंत्र वित्तीय परीक्षण कब होगा?
- सोनपुर की आमसभा ने फिलहाल बैठक रोकी है, सवाल नहीं—** 30 सितंबर की आमसभा भले ही स्थगित हो गई हो, लेकिन इससे सवाल खत्म नहीं हुए हैं, बल्कि अब सवाल और स्पष्ट हो गए हैं, पंजी कहां है? नई पंजी क्यों बनी? कार्यवाहक सचिव क्यों नियुक्त हुआ? विवादित कर्मचारी को किस आदेश से वापस रखा गया? बर्खास्तगी अथवा अनुपस्थिति अवधि का भुगतान किस आधार पर हुआ? उच्च कार्यालय की अनुमति ली गई या नहीं? 16 सितंबर के त्यागपत्र के बाद श्यामलाल सिंह की अधिकारिक स्थिति क्या थी? और सबसे बड़ा सवाल— 'जब संस्था की वार्षिक आमसभा में ही सदस्य रिकॉर्ड मांग रहे हैं और रिकॉर्ड के अभाव में बैठक स्थगित करनी पड़ रही है, तो आखिर सहकारिता में पारदर्शिता का हिसाब कौन देगा? सोनपुर में अब अगली आमसभा सिर्फ बैठक नहीं होगी—वह कार्यवाही पंजी, नियुक्ति प्रक्रिया और भुगतान के पूरे हिसाब की परीक्षा होगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

—संवाददाता—

लखनपुर 02 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 2 अक्टूबर दिन शुक्रवार को भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर याद किया। कांग्रेसियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह को अन्याय के खिलाफ सबसे प्रभावशाली अस्त्र बनाने वाले महात्मा गांधी ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, बल्कि पूरी दुनिया को मानवता, करुणा और शांति का मार्ग दिखाया।

आज जब उनके विचारों और मूल्यों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हैं, तब बापू के सत्य, अहिंसा, सद्भाव और न्याय के सिद्धांतों पर अडिग रहना ही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। 'सत्य



लोगों के समर्थन के बिना भी खड़ा रहता है, वह आत्मनिर्भर है।' पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन भारत के लिए समर्पण की अद्भुत मिसाल है। भूमि सुधारों से लेकर हरित और दुग्ध क्रांति की नींव मजबूत करने तक, रेलवे में तीसरी श्रेणी समाप्त करने से लेकर बसों में महिलाओं के लिए सीटों की

व्यवस्था तक और 1965 के युद्ध में देश को दृढ़ नेतृत्व देने तक, राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। गांधीवादी मूल्यों से परिपूर्ण उनका सरल जीवन हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। इस दौरान कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंह देव, रमेश जयसवाल, सराफत अली,

देवनारायण सिंह, मामू प्रसाद अग्रवाल, देवधारी पटेल, कृष्णा प्रसाद यादव, गणेश गुप्ता, जगरोपन यादव, मकसूद हुसैन, मौजिब खान, रामसुजान द्विवेदी, जसीमुद्दीन खान, इमरान हुसैन, हरद गुप्ता, अम्बिका यादव सहित कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।





हरी मिर्च की बोरियों में 2 करोड़ का गांजा

जशपुर में ट्रक से 440 पैकेट जब्त,ओडिशा से यूपी ले जा रहे थे,2 अरेस्ट



जशपुर,02 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस ने लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर मिनी ट्रक से 440.63 किलो गांजा जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ 20 लाख 31 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक ट्रक ओडिशा से मिर्च लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा था। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए ऊपर मिर्च से भरी बोřियां रखी थीं और उनके नीचे गांजे के पैकेट छिपाए थे। गांच के दौरान पुलिस ने 14 बोरियों में रखे 440 पैकेट गांजे बरामद किए। तस्करी में इस्तेमाल मिनी ट्रक की कीमत करीब 20 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गांजा और वाहन समेत कुल 2 करोड़ 40 लाख 31 हजार 500 रुपए का माला जब्त किया है। 2 आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। मामला तपकरा थाना क्षेत्र का है। एक दिन पहले ही सूरजपुर जिले में एक करोड़ का गांजा बरामद हुआ था। दरअसल, घाट पेडर्री में उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा

लावाकेरा बैरियर पर तलाशी में खुला राज

कारंवाई 2 अक्टूबर की सुबह करीब 9 बजे की है। एंटी नारकोटिक्स टीम और तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम जांच कर रही थी। ओडिशा की ओर से आने वाले संधिध वाहनों की जांच के दौरान पुलिस ने टाटा आईसर मिनी ट्रक क्रमांक यूपी-71-टी-6592 को रोका। ट्रक में सवार 2 युवकों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम मो. वसीम (28) और मो. आसिफ (34) बताया। दोनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के रहने वाले हैं।

ऊपर मिर्च की बोरियां,नीचे छिपा था गांजा

पुलिस के मुताबिक ट्रक में लंदे सामान के बारे में पूछने पर दोनों ने बताया कि इसमें मिर्च की बोरियां हैं, जिन्हें ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। पुलिस को संदेह होने पर ट्रक की बारीकी से जांच की गई। ऊपरी हिस्से में मिर्च से भरी बोरियां मिलीं। पुलिस टीम ने उन्हें एक-एक कर हटाया तो नीचे रखी अन्य बोरियां दिखाई दीं। जांच करने पर उनमें टेप से लिपटे पैकेट मिले। पैकेट खोलकर देखने पर गांजा मिला।

ट्रक पलट गया था। प्लास्टिक दाना की बोरियों से कुछ बोरियों को अलग रखने पर लोगों को शक हुआ। जांच करने पर 238 किलो गांजा बरामद हुआ। जिसकी कीमत 1 करोड़ 19 लाख रुपए आंकी गई।

14 बोरियों में मिले 440 पैकेट : जांच के दौरान कुल 14 बोरियों से 440 पैकेट बरामद हुए। वजन करने पर इनमें 440.63 किलो गांजा निकला। आरोपियों से गांजे के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए,

लेकिन वे कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर गांजा और तस्करी में इस्तेमाल मिनी ट्रक जब्त कर लिया।

ओडिशा से प्रयागराज ले जाने की बात सामने आई : शुरुआती पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे ओडिशा के बोध क्षेत्र से गांजा लेकर प्रयागराज जा रहे थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा किससे खरीदा गया था और प्रयागराज में इसे किसके पास पहुंचाया जाना था। पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जशपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि ऑपरेशन आघात के तहत पुलिस लगातार नशे के खिलाफ कारंवाई कर रही है। लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर टीम की सतर्कता और बेहतर समन्वय से मिर्च की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा 440.63 किलो गांजा पकड़ा गया।



सीएम साय ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर किया नमन कहा...सत्य,अहिंसा और सादगी के आदर्श हमें राष्ट्रसेवा की देते रहेंगे प्रेरणा

रायपुर,02 अक्टूबर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को शांति और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और आत्मनिर्भर भारत की भावना निहित थी। उनका जीवन हमें सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का

निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका दिया 'जय जवान-जय किसान' का मंत्र देश की सुरक्षा और समृद्धि में हमारे जवानों तथा किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं आदर्श हमें जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

धमतरी में 40 फीट नीचे महानदी में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली

बाइक को बचाने के चक्कर में हादसा,झड़प-हेल्पर ने कूदकर बचाई जान,ट्रॉली रेत में धंसी

धमतरी,02 अक्टूबर 2026। धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र के अछेटा पुल पर शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट नीचे महानदी में जा गिरी। ट्रैक्टर के नदी में गिरने के बाद ट्रॉली कुछ फीट तक रेत में धंस गई। हादसे के दौरान ट्रैक्टर में मौजूद ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर अपनी जान बचाई। दोनों को चोटें आई हैं और जिला अस्पताल में उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ड्राइवर अतुद कुमार धुव ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली खाली थी और धमतरी से अछेटा की ओर जा रही थी। अछेटा पुल के बीच में पहुंचने के दौरान सामने आई बाइक को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर महानदी की ओर चली गई और पुल से नीचे जा गिरी। ड्राइवर के अनुसार, वाहन को बनवाने के लिए दिया गया था और उसे वापस ले जाया जा रहा था। ट्रैक्टर-ट्रॉली खाली होने के कारण उसमें कोई सामान नहीं था। ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल से नीचे गिरने के बाद कई हिस्सों में बिखर गई। हादसे में ट्रॉली पलटने



से उसका पिछला हिस्सा ऊपर की ओर हो गया और दोनों पिछले टायर ट्रॉली से अलग होकर बाहर निकल गए। ड्राइवर ने बताया कि उसने ट्रैक्टर से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में उसे हल्की चोट आई है। हेल्पर भी घायल हुआ है। वरदान एंबुलेंस के शिव प्रधान ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के पुल से नीचे गिरने की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। वहां ड्राइवर और हेल्पर घायल अवस्था में मिले। दोनों को वरदान एंबुलेंस से जिला अस्पताल धमतरी लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद अर्जुनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आगे की कारंवाई शुरू कर दी है।

कोल लेवी घोटाला...देवेंद्र यादव को ईओडब्ल्यू का नोटिस

5 अक्टूबर को विशेष कोर्ट में पेश होने के निर्देश,28 सितंबर को हुई थी पूछताछ

रायपुर,02 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के भिलाई से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को कोल लेवी मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने नया नोटिस जारी किया है। इसमें उन्हें 5 अक्टूबर 2026 को सुबह 10:30 बजे रायपुर स्थित विशेष न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। ईओडब्ल्यू की जांच पूरी होने के बाद अब मामले में अभियोग पत्र पेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ने की बात सामने आई है। ईओडब्ल्यू के नोटिस में अपराध क्रमांक 03/2024 का उल्लेख किया गया है। इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं 7, 7ए और 12 के साथ आईपीसी की धाराएं 420,120-बी,384,467,468 और 471 का हवाला दिया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार विवेचना पूरी होने के बाद अभियोग पत्र विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार



निवारण अधिनियम, रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है।

28 सितंबर को दो घंटे से ज्यादा हुई पूछताछ : इससे पहले 28 सितंबर को

ईओडब्ल्यू ने देवेंद्र यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था। रिपोर्टों के मुताबिक यादव रायपुर स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचे थे। यहां उनसे दो घंटे से ज्यादा

समय तक पूछताछ की गई थी। अब 5 अक्टूबर को विशेष न्यायालय में उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

540 करोड़ की कथित अवैध वसूली से जुड़ा मामला

कोल लेवी मामले में जांच एजेंसियों ने करीब 540 करोड़ रुपए की कथित अवैध वसूली का आरोप लगाया है। जांच के मुताबिक जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच कोयला परिवहन में प्रति टन 25 रुपए की कथित अवैध वसूली की व्यवस्था का आरोप है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारंवाई भी पहले सामने आ चुकी है। देवेंद्र यादव का नाम जांच से जुड़े दस्तावेजों में सामने आने की बात रिपोर्टों में कही गई है। देवेंद्र यादव इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं।

सीएम साय ने नवनि्युक्त प्रदेश प्रमारी स्मृति ईरानी से की मुलाकात,छत्तीसगढ़ के विकास और संगठन पर हुई चर्चा



रायपुर,02 अक्टूबर 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवनि्युक्त छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी से मुलाकात की। सीएम साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा...आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी का नवदायित्व मिलने की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विकास,डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस्तर में विकास की नई संभावनाओं और बदलते स्वरूप को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। सीएम साय ने कहा, स्मृति ईरानी का व्यापक राष्ट्रीय अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ में सौंठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनसेवा के हमारे संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगा।

नदी में बहे दो मासूमों का शव बरामद,इलाके में पसरा मातम



कांकेर,02 अक्टूबर 2026। पखांजूर के इरपानर से पिकनिक मनाने गए 9 बच्चों में से दो बच्चे बाढ़े नदी में बह गए थे। दोनों बच्चों का शव शुक्रवार को बरामद हुआ। एसडीआरएफ छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर शवों को नदी से बाहर निकाला। इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे 9 बच्चे छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा से लगे करका-बुज गांव के पास स्थित बाढ़े नदी पहुंचे थे। इसी दौरान साहिल वर्माण और अजित विश्वास नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। घटना की सूचना मिलते ही छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम और कांकेर से छद्मन्न टीम मौके पर पहुंची थी। दूसरी ओर,महाराष्ट्र के कसनसूर थाने से भी रेस्क्यू टीम भी पहुंची थी। वहीं ग्रामीण सुबह से ही जाल,डंडों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों की तलाश में जुटे रहे। शुक्रवार को छद्मन्न छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर दो बच्चों के शवों को बरामद किया।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी के तबादले पर हाईकोर्ट की रोक

16 साल 7 माह अनुसूचित क्षेत्र में सेवा,फिर भी अनुसूचित जिले में किया गया ट्रांसफर

बिलासपुर,02 अक्टूबर 2026। कोरबा में पदस्थ सहायक जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह के तबादले पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। सरकार ने 16 सितंबर 2026 को उनका तबादला कोरबा से गरियाबंद किया था। इसके खिलाफ राकेश सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 30 सितंबर को जस्टिस बीडी गुरू की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने फिलहाल तबादला आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए राकेश सिंह को अपना पक्ष रखने के लिए लिखित आवेदन देने का निर्देश दिया है। याचिका के मुताबिक,राकेश कुमार सिंह की पहली पोस्टिंग 2006 में जशपुर जिले में हुई थी। उन्होंने 2006 से 2011 तक जशपुर, 2016 से 2022 तक रायगढ़ और 2022 से अब तक कोरबा में काम किया है। इस तरह उन्होंने करीब 16 साल 7 महीने तक अनुसूचित इलाकों में नौकरी की है।



एक अनुसूचित जिले से दूसरे में तबादले पर आपत्ति : राकेश सिंह की ओर से सीनियर वकील मतीन सिद्दीकी और एडवोकेट जैनब मुस्तफा ने कोर्ट में कहा कि इतने लंबे समय तक अनुसूचित क्षेत्रों में

सेवा देने के बाद भी उनका तबादला एक अनुसूचित क्षेत्र से दूसरे अनुसूचित क्षेत्र में किया गया है। उन्होंने इसे शासन के 3 जून 2015 के संकुलर की भावना के खिलाफ बताया। संकुलर के मुताबिक, दुर्गम

गरियाबंद में पद भी खाली नहीं... याचिका में यह भी बताया गया कि गरियाबंद में सहायक जिला आबकारी अधिकारी का सिर्फ एक स्वीकृत पद है। इस पद पर लालजी दीवान पहले से पदस्थ हैं। उनका भी 16 सितंबर को कबीरधाम तबादला किया गया था,लेकिन उन्होंने भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की और कोर्ट ने उनके तबादले पर भी रोक लगा दी। ऐसे में गरियाबंद का एकमात्र स्वीकृत पद अभी खाली नहीं है।

10 दिन में देना होगा लिखित आवेदन

हाईकोर्ट ने राकेश कुमार सिंह को 10 दिनों के भीतर वरिष्ठ सचिवों की समिति के सामने लिखित आवेदन देने का निर्देश दिया है। इसमें 3 जून 2015 के शासन संकुलर और डिवीजन बेंच के रिट अपील नंबर 549/2016 में दिए गए फैसले का हवाला देना होगा। कोर्ट ने कहा है कि जब तक समिति उनके लिखित आवेदन पर फैसला नहीं करती,तब तक राकेश सिंह के तबादला आदेश पर लगी रोक जारी रहेगी।

अनुसूचित क्षेत्र में अधिकारियों और कर्मचारियों की पोस्टिंग कम से कम दो साल और सामान्य अनुसूचित क्षेत्र में कम से कम तीन साल के लिए होनी चाहिए।

साथ ही लंबे समय तक अनुसूचित क्षेत्र में सेवा देने वाले कर्मचारियों को गैर-अनुसूचित क्षेत्र में पदस्थ करने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

अजय चंद्राकर बोले...यूथ कांग्रेस चुनाव की सीबीआई जांच हो

फर्जी वोटिंग और सदस्यता शुल्क पर उड़ाए सवाल,कांग्रेस बोली...कुठित मानसिकता से बयानबाजी कर रहे

रायपुर,02 अक्टूबर 2026। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने यूथ कांग्रेस चुनाव में कथित फर्जी वोटिंग और सदस्यता शुल्क को लेकर सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने पलटवार करते हुए चंद्राकर के बयान को उनकी राजनीतिक कुटुंब बताया है।

अजय चंद्राकर बोले...पैसा कहां से आ रहा है,उसकी जांच हो

अजय चंद्राकर ने कहा कि उन्होंने यूथ कांग्रेस चुनाव में फर्जी वोटिंग की शिकायतों के बारे में पढ़ा है। उन्होंने सदस्यता शुल्क को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जो नेता पैसा दे रहे हैं, वह पैसा कहां से आ रहा है,इसकी भी जांच होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि यूथ कांग्रेस चुनाव में गुटबाजी भी सामने आ रही है। चंद्राकर ने कांग्रेस नेता



अमरजीत भगत के उस कथित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि उनके बेटे का फॉर्म रद्द हो गया। चंद्राकर ने कांग्रेस के संगठनात्मक सिस्टम पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी का सिस्टम लोकतंत्र को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसे रोकने और चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए सीबीआई जांच की मांग की। साथ ही सवाल किया कि क्या इस मामले पर राहुल गांधी कुछ बोलेंगे?

विकास उपाध्याय बोले...इतनी छिंता है तो ठग गैटिंग मामले में भी सीबीआई जांच मांगें

अजय चंद्राकर के बयान पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चंद्राकर कुठित मानसिकता से बयानबाजी कर रहे हैं। विकास उपाध्याय ने कहा कि इस मामले में एसआईटी जांच और कारंवाई की रिपोर्ट सामने आ चुकी है।

बोले...अपनी राजनीतिक

उपयोगिता स्थावित करना चाहते हैं

विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि अजय चंद्राकर ऐसे बयान देकर शायद अपने ही संगठन में अपनी राजनीतिक उपयोगिता स्थावित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि चंद्राकर को मंत्री पद मिलने वाला नहीं है, इसलिए वे इस तरह के बयान देकर अपनी कुंठा निकाल रहे हैं।

यूथ कांग्रेस चुनाव में लगे फर्जी वोटिंग और हैकिंग के आरोप

यूथ कांग्रेस के चुनाव को लेकर फर्जी वोटिंग और हैकिंग के आरोप सामने आए थे। चुनाव प्रक्रिया में ओटीपी के जरिए कथित फर्जी वोटिंग और सदस्यता को लेकर नेताओं ने सवाल उठाए थे। इसी विवाद के बीच अब अजय चंद्राकर ने सीबीआई जांच की मांग की है।

ट्रेंडिंग का झांसा देकर डॉक्टर से ठगे 25.66 लाख फेसबुक पर हुई युवती से पहचान,ट्रेंडिंग में मुनाफा दिखाकर जीता भरोसा और रकम ट्रांसफर करवाई

रायपुर,02 अक्टूबर 2026। क्रिप्टो करेंसी और यूएसडीटी ट्रेडिंग में निवेश कर कम समय में बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा देकर रायपुर के एक डॉक्टर से 25 लाख 66 हजार 900 रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने समता कॉलोनी के डॉक्टर राकेश कुमार मिश्रा की शिकायत पर रेशमी गुप्ता और सुरेश चौहान के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। शिकायत के मुताबिक अगस्त 2026 में राकेश की फेसबुक के जरिए रेशमी गुप्ता नाम की युवती से पहचान हुई थी। उसने क्रिप्टो करेंसी में निवेश का प्लान बताते हुए अच्छा मुनाफा होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद रेशमी ने अपने सीनियर सुरेश चौहान से संपर्क



कराया। आरोप है कि सुरेश ने राकेश को सिनचेन नाम के ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर कराया। यहां शुरुआती निवेश पर मुनाफा दिखाया गया। इसके बाद बाइनैस ट्रेडिंग ऐप पर भी खाता बनवाया गया और निवेश का रकम पर प्रॉफिट दिखाया गया। मुनाफा बढ़ता देखकर डॉक्टर ने अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई के जरिए कुल 25.66 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। शिकायतकर्ता के अनुसार 22 सितंबर को जब उन्होंने ट्रेडिंग से रकम निकालने की कोशिश की तो निकासी रोक दी गई।